>

Title: Need to take steps to address the issue of Neelgai menace resulting in heavy loss to farmers in Buxar district of Bihar.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): उपाध्यक्ष महोदय, बिहार प्रदेश का बक्सर जिला एक कृषि प्रधान इलाका है। किसानों ने अनाज, सब्जी, फल के उत्पादन का बड़े पैमाने पर इंतजाम किया है। विपरीत परिस्थिति बाढ़ एवं सुखाड़ झेलना उनकी नीयत बन चुकी है। गंगा के किनारे दियारा इलाके के किसान प्रकृति के प्रकोप को सहते हुए जीवन-यापन के लिए संघर्षरत रहकर परिवार का परिवेश करते रहे हैं। किसानों को अब एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जंगली जीव, नीलगाय तथा हिरण की बढ़ती आबादी ने खेती पर खतरा पैदा कर दिया है। खेती में लगी फसल तथा बागवानी को वन्य प्राणी समाप्त कर देते हैं। किसानों को फसल की बर्बादी अब असह्य हो चुकी है। इसलिए किसान या तो खेती बंद कर रहे हैं या खेती की सुरक्षा में इतना व्यय करते हैं कि खेती अलाभकर होती जा रही है। नीलगाय का प्रकोप गत तीस वर्षों से झेलते हुए किसान किंकर्तव्यमूढ़ होकर स्थानीय प्रशासन से लेकर सरकार के स्तर तक लगातार अपनी बात उठाते रहे हैं। मगर सब लोग समस्या का समाधान करने में असमर्थ साबित हो रहे हैं, क्योंकि वन्य जीव प्राणियों के खिलाफ कोई भी कार्यवाही नियम विरुद्ध मानी जाती है। बक्सर का दियारा इलाका वन का क्षेत्र नहीं है। ऐसे हालात में वन्य विभाग का कर्तव्य बनता है कि वन्य जीव प्राणियों को संभालने का कार्य करे अर्थात् उन्हें खेतों को नुकसान करने से रोकने के लिए अन्यत्र स्थानान्तरित करे या किसानों को हो रहे नुकसान की भरपाई करे। हर हालात में किसानों की फसल की रक्षा करना तथा क्षति होने पर भरपाई करना सरकार के कर्तव्य का हिस्सा है क्योंकि वह क्षति वन्य जीव प्राणियों के वन के बाहर विचरण का परिणाम है।

अत: मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस भयानक समस्या से कृषि एवं किसानों की रक्षा करे।